मूल्य 1 रु.
वर्षः 10 - अंक : 63, मुंबई, मंगलवार, 5 मई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

जान से ज्यादा 'जाम' की चिंता

सोशल डिस्टेंसिंग भूल, हमको पीनी है, पीनी है हमको पीनी है...

केंद्र सरकार ने फैलाया CORONA

खुद के फायदे के लिए केंद्र सरकार ने शराब की दुकाने खुलवाकर उड़वाई सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां

सरकार को लोगों की चिंता कम अपने राजस्व की चिंता ज्यादा है

अगर इसी तरह सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़वानी है तो सभी दुकाने खोल दें सरकार

मुंबई। देशभर में शराब की दुकानें खुलते ही जान से ज्यादा 'जाम' की चिंता लोगों में दिखाई दी, लोगों ने हर जगह प्रशासन को ठेंगा दिखाते हुए सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाई। लगभग सभी शहरों से सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाते हुये वीडियो और तस्वीरें समाने आई है।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

सरकार और गोदी मीडिया अब खामोश

शराब के संग लोग भूल गए कोरोना से जंग!

दिल्ली में आज से शराब महंगी

एमआरपी पर 70% लगेगी 'स्पेशल कोरोना फीस'

नई दिल्ली। दिल्ली में मंगलवार से शराब महंगी हो जाएगी। केजरीवाल सरकार ने शराब पर स्पेशल कोरोना फीस लगाने का फैसला लिया है। ये फीस एमआरपी पर 70 फीसदी लगेगी। दिल्ली सरकार का ये फैसला मंगलवार से लागू होगा।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

संपादकीय

अपनी रक्षा कीजिए

अपने देश में लॉकडाउन में थोड़ी ढील मिलते ही कई जगह कल दिशा-निर्देशों की जिस तरह अवहेलना हुई, वह न केवल दुखद, बल्कि शर्मनाक भी है। केंद्र और राज्य सरकारों ने एक योजना के तहत सोच-समझकर ढील दी है। 40 दिन के लॉकडाउन के बाद कुछ क्षेत्रों में ढील देना आवश्यक हो गया था। समाज और अर्थव्यवस्था की ओर से मांग उठ रही थी। लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाने के लिए ही सरकार ने रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन की व्यवस्था की। अब केवल कंटेनमेंट जोन में ही पूरी पाबंदियां लागू हैं, तो यह जरूरी भी है, लेकिन बाकी जोन में समाज की जरूरत के हिसाब से कम या ज्यादा रियायत दे दी गई है। दी गई रियायत के लिए लोगों को शासन-प्रशासन का आभारी होना चाहिए। ध्यान रहे, हम मिली हुई रियायत का सम्मान नहीं करेंगे, तो वह छिन जाएगी, जैसे अनेक राज्यों में पहले ही दिन छिन गई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली जैसे अपेक्षाकृत पढ़े-लिखे क्षेत्र में भी लोग फिजिकल डिस्टेंसिंग का मजाक उड़ाते दिखे, यह किसी अपराध से कम नहीं है। खासकर आबकारी विभाग की दुकानों के आसपास जिस तरह की भीड़ देखी गई है, वह किसी भी समाज के लिए चिंता का विषय है। कई जगह पुलिस को बल प्रयोग के लिए मजबूर होना पड़ा है। कुछ शहरों और राज्यों में दी गई रियायत को वापस भी ले लिया गया है। सरकार ऐसे इलाकों में फिर कड़ाई के लिए मजबूर हुई है और लोगों की मांग पूरी करने के दूसरे रास्ते खोजने को विवश है। कुछ लोग पुलिस या सरकारों को भी दोषी ठहराएंगे, पर कुल मिलाकर यह समय संतुलित चिंतन और समझदारी का है। समाज में एक बड़ा हिस्सा है, जो लॉकडाउन को गलत ठहरा रहा है, तो एक बड़ा हिस्सा ऐसा भी है, जो लॉकडाउन में ही जीवन देख रहा है। सबसे ज्यादा उदास करती चिंता उस हिस्से को लेकर है, जो बार-बार साबित कर रहा है कि उसे फिजिकल डिस्टेंसिंग की खास परवाह नहीं है, उसे केवल पुलिस के डंडे या कानूनी कार्रवाई की भाषा समझ में आती है। ये लापरवाह लोग खुद अपने ही नहीं, समाज के भी दुश्मन हैं। प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक सभी बार-बार कह रहे हैं कि हमें कोरोना से बचकर जीना सीखना होगा, कम से कम कोविड-19 की दवा मिलने तक तो जीने की यही अनिवार्य शर्त है। यह समय है, जब हमें स्व-नियमन सिखना होगा। गौतम बुद्ध ने कहा था, स्वयं दीप बनो। किसी महापुरुष ने नहीं कहा कि स्वयं को नुकसान पहुंचाओ। हम आखिर क्यों ऐसी नौबत लाते हैं कि सरकार ज्यादती करे और पुलिस लाठी उठाए। एक सभ्य, जागरूक, लोकतांत्रिक समाज को स्वयं अपना नियमन और संचालन करना चाहिए। विशेष रूप से जब आपदा आन पड़ी हो, तब तो हमें समाधान का हिस्सा बनना चाहिए, समस्या की वजह नहीं।

वैश्विक स्तर पर ड्रैगन नहीं रह पाएगा विकास का अगुआ, भारत के लिए अनुकूल बनता परिदृश्य

हाल में चीन के सांख्यिकी विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार चीन की अर्थव्यवस्था पिछले वर्ष की तुलना में 2020 की पहली तिमाही के दौरान 8.1 प्रतिशत सिकुड़ गई है। पिछले तीन दशकों में यह गिरावट पहली बार देखी गई है। कोरोना की मार के कारण एक तरफ चीन को अपने उत्पादन केंद्रों को बंद करना पड़ा तो दूसरी ओर दुनिया भर में इस महामारी के प्रकोप के चलते अन्य देशों में चीनी माल की खपत में भी भारी कमी के चलते वहां लॉकडाउन खुलने के बाद भी मांग में उठाव दिखाई नहीं दे रहा है। चीनी माल के विदेशी ग्राहकों ने या तो अपने ऑर्डर को स्थगित कर दिया है अथवा निरस्त कर दिया है। नए और पिछले ऑर्डरों के भी भुगतान नहीं आ पा रहे हैं। कोरोना महामारी के पहले से ही अमेरिका ने चीन के विरोध में व्यापार युद्ध छेड़ रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने आयात शुल्क बढ़ाते हुए चीन से आने वाले आयातों पर अंकुश लगाना शुरू कर दिया था। कोरोना महामारी के बाद अमेरिका ने चीन द्वारा इस वायरस को जानबूझकर फैलाने या उसके खतरों को दुनिया से छिपाने के बारे में कई आरोप भी लगाए हैं। अमेरिका ने इसकी तहकीकात भी शुरू कर दी है। स्वाभाविक है कि इस सबके चलते चीन से अमेरिका को निर्यात प्रभावित होंगे। उधर इस संकट के समय पूरा दुनिया के अधिकांश देश आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए अभी भी चीन पर निर्भर हैं। मेडिकल उपकरण, टेस्ट किट, मास्क, सैनिटाइजर समेत कई चीजों का आयात चीन से हो रहा है। लेकिन चीनी सामान की खराब क्वालिटी के चलते वे देश चीन से नाराज हैं और कई मामलों में खराब क्वालिटी के कारण चीन की खेपों को वापस भी किया जा चुका है। विभिन्न देश ऐसा मान रहे हैं कि कोरोना महामारी के पीछे चीन जिम्मेदार है। कई स्थानों पर तो चीन से हजार्ना वसूलने की भी बात चल रही है। गौरतलब है कि पिछले दो दशकों से अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी चीनी वस्तुओं की भरमार बढ़ती जा रही थी। यही नहीं चीन की सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियां बड़ी मात्रा में अलग-अलग देशों में निवेश कर रही हैं। चीन के प्रति बढ़ते अविश्वास के चलते दुनिया के कई देश उसके साथ अपने आर्थिक संबंधों के बारे में पुनर्विचार करने लगे हैं। अमेरिका ने तो यहां तक कहा है कि कोरोना वायरस का संक्रमण दुर्घटनावश हुआ है अथवा षड्यंत्रपूर्ण तरीके से, इसकी जांच होगी और दोषी पाए जाने पर चीन को उसके परिणाम भुगतने होंगे। दुनिया भर में कंपनियों की दुर्दशा और उनके शेयरों की कीमतें घटने के कारण चीन की सरकारी और निजी कंपनियां उनके अधिग्रहण की फिराक में हैं। उनके इस अनुचित प्रयास को रोकने के लिए कई देशों ने अपने विदेशी निवेश नियमों में बदलाव कर ऐसे निवेश को अमान्य किया है। हाल में भारत ने भी अपने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नियमों में बदलाव किया है, जिसके तहत चीन समेत उन सभी देशों से आने वाले निवेश के लिए सरकारी अनुमति प्राप्त करना जरूरी होगा, जिनकी सीमा भारत से जुड़ी हुई है।

आज दुनिया की लगभग एक हजार कंपनियां अपना उद्योग चीन से स्थानांतरित कर भारत में स्थापित करने की इच्छुक हैं और केंद्र, राज्य सरकारों एवं अन्य आधिकारिक संस्थानों से वार्ता कर रही हैं। इनमें से 300 कंपनियां मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल उपकरणों और वस्त्रों के उत्पादन में संलग्न हैं। ये कंपनियां भारत को सर्वाधिक उपयुक्त गंतव्य मान रही हैं। अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया आज चीन पर अत्यधिक रूप से निर्भर हैं। इन कंपनियों को इस हेतु भारत में परिवेश अनुकूल दिख रहा है। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' की दृष्टि से लगातार आगे बढ़ता हुआ वैश्विक रैंकिंग में 63वें स्थान पर पहुंच गया है। यही नहीं निवेशकों को आकर्षित करने के लिए नई कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स मात्र 15 प्रतिशत कर दिया गया है। निवेश की दृष्टि से भारत के प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में यह कॉरपोरेट टैक्स दर न्यूनतम है। वर्तमान में कार्यरत कंपनियों के लिए कॉरपोरेट टैक्स की यह दर 22 प्रतिशत है, जो पूरे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की तुलना में सबसे कम है।

कुछ समय पहले कॉरपोरेट टैक्स दरों में इस बदलाव का लाभ यह होगा कि एक तरफ नए निवेशक यहां आने के लिए प्रोत्साहित होंगे और पहले से कार्यरत भारत से कहीं और जाने के लिए हतोत्साहित होंगे, क्योंकि इससे कम टैक्स वाला कोई देश नहीं है जहां वे जा सकें। पिछले कुछ समय से भारतीय नेतृत्व द्वारा दुनिया में भारत की साख बढ़ाने वाले कदमों से भारत का नाम काफी सम्मान से लिया जा रहा है। इस संकट के समय जब दुनिया के बड़े और अमीर देश असहाय दिखाई दे रहे हैं, ऐसे में समझदारी, सख्ती और नागरिक सहयोग से जिस प्रकार भारत इस संकट से निपट रहा है, अमेरिका, इंग्लैंड, ब्राजील समेत कई देशों को दवाई उपलब्ध करा रहा है, इससे भारत की साख दुनिया में बढ़ रही है। भारत की इसी बढ़ती साख का परिणाम है कि अमेरिका के इतिहास में पहली बार कई भारतीय दवाओं को बड़ी संख्या में रिकॉर्ड तोड़ अनुमति मिली है। संकट के समय में भी दवाओं की आपूर्ति द्वारा भारत ने दुनिया का दिल जीत लिया है।

लॉकडाउन खुलने का समय आया तो उद्यमियों के सामने श्रमिकों की समस्या

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे हरियाणा की जितनी अहमियत राजनीतिक तौर पर है, उससे कहीं अधिक आर्थिक दृष्टि से मानी जाती है। दिल्ली के एक तरफ औद्योगिक शहर फरीदाबाद है तो दूसरी तरफ साइबर सिटी गुरुग्राम जहां अधिकतर बड़ी विदेशी कंपनियों के दफ्तर हैं। थोड़ा आगे बढ़ें तो कुंडली, सोनीपत, बहादुरगढ़, रोहतक, झज्जर और बावल में औद्योगिक इकाइयां प्रदेश का राजस्व बढ़ाने में अहम योगदान दे रही हैं। पानीपत के हेंडलूम उद्योग की पूरी दुनिया में पहचान है तो करनाल और कुरुक्षेत्र का बासमती चावल विदेशों को निर्यात होता है। अंबाला में बनने वाले विज्ञान उपकरणों की पूरी दुनिया में मांग है। प्रदेश में छोटी-बड़ी हजारों इंडस्ट्री ऐसी हैं, जो कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन का शिकार हो गई हैं। अब डेढ़ माह के लंबे अंतराल के बाद इंडस्ट्री का लॉक खोलने की तैयारी हुई तो उत्पादन के लिए कच्चे माल और श्रमिकों की सबसे बड़ी समस्या सामने आ गई। रविवार को दैनिक जागरण के वेबिनार में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के सामने देश-प्रदेश के प्रमुख उद्यमियों ने श्रमिकों की कमी की समस्या उठाई। इस वेबिनार में मारुति सुजुकी के चेयरमैन आरसी भार्गव, लिबर्टी समूह के एमडी शम्मी बंसल, चावल निर्यातक संघ के अध्यक्ष विजय सेतिया, लखानी अरमान ग्रुप के चेयरमैन केसी लखानी, एस्कॉर्ट्स ग्रुप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैनू अग्रवाल और हिसार मेटल इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक कर्ण तायल सरीखे बड़े-बड़े उद्यमी शामिल हुए। सभी उद्यमियों की एक ही समस्या थी, आखिर उत्पादन कैसे शुरू किया जाए? श्रमिकों की कमी इसलिए आड़े आ रही है, क्योंकि अधिकतर अपने मूल प्रदेश लौटना चाह रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इन श्रमिकों को रोके रखने के लिए उद्यमियों से प्रयास करने को तो कहा ही, साथ ही सरकार से जो बन सकता है, वह करने का भरोसा भी दिलाया है। हरियाणा में आजकल गेहूं खरीद का सीजन चल रहा है। पहले गेहूं काटने के लिए मजदूर नहीं थे। मनरेगा के मजदूरों से गेहूं कटवाई गई। राहत शिविरों में रहने वाले प्रवासी मजदूरों ने भी आगे बढ़कर सहयोग किया। अब मंडियों से गेहूं के उठान के लिए श्रमिक नहीं मिल रहे हैं। यही स्थिति इंडस्ट्री के सामने बन रही है। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों को रोके रखने के लिए उद्यमियों से डबल शिफ्ट में काम लेने तक की छूट भी दे दी है, लेकिन कुछ उद्यमियों ने प्रस्ताव रखा कि ऐसा करने पर उन्हें डबल वेतन देना पड़ेगा जो फिलहाल उनके बूते की बात नहीं है। प्रस्ताव आया कि इन श्रमिकों का वेतन प्रदेश सरकार अपने खजाने से दे।

पिता की मौत के बाद निजी अस्पताल ने बेटे को थमाया 16 लाख रुपये का बिल

मुंबई। कोरोना वायरस से पूरा देश जूझ रहा है, ऐसे में आम आदमी के लिए इसका इलाज कितना मुश्किल साबित हो सकता है, इसकी बानगी मुंबई में देखने को मिली। जहां सांताक्रूज निवासी 74 वर्षीय शख्स कोरोना वायरस से जंग हार गए। इसके बाद शख्स के बेटे को अपने पिता को 15 दिन अस्पताल के आईसीयू में रखने के लिए 16 लाख रुपये का बिल भी चुकाना पड़ा। बेटे ने बताया कि मुझे नहीं लगता कि कोई भी मिडिल क्लास व्यक्ति प्रति दिन 1 लाख रुपये का इलाज कर सकता है। नानावती अस्पताल जुहू के निदेशक मनप्रीत सोहल ने परिवार के ओवरचार्जिंग के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने

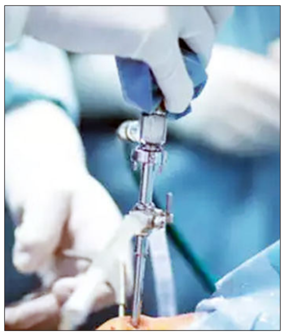

कहा, पेशेंट को 31 मार्च को कई रोगों और कई अंगों के खराब होने के बाद बहुत ही गंभीर स्थिति में लाया गया था। जिसके बाद क्लीनिकल इलाज के बाद भी उनका निधन हो गया। कोरोना वायरस से संबंधित उपचार के लिए निजी अस्पतालों द्वारा मुनाफाखोरी की शिकायत करने वाले कई परिवारों के साथ, राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने पिछले हफ्ते कोरोना और गैर- कोरोना बीमारियों के लिए निजी अस्पतालों में इलाज के इच्छुक रोगियों के लिए एक अधिसूचना कैपिंग उपचार शुल्क जारी किया था। मृतक मरीज के बेटे ने कहा कि पहले 8.6 लाख रुपये - दवा और उपभोग्य सामग्रियों के लिए गए थे, जबकि अन्य 2.8 लाख रुपये कोरोना चार्जेज के रूप में लिए गए थे। उन्होंने अस्पताल द्वारा मनमाने ढंग से पैसे चार्ज करने का आरोप लगाया। उन्होने बताया कि जब उनके पिता अस्पताल में थे, तब उनका पूरा परिवार क्वारंटीन में था।

एडमिट करने के समय नहीं दी खर्चे की जानकारी

अस्पताल द्वारा उन खर्चों के बारे में कोई संकेत नहीं दिया गया था जो वे खर्च करेंगे। उन्होने बताया कि अस्पताल के साथ फोन पर और ईमेल के द्वारा बात की गई। सबसे पहले उन्होंने 60,000 रुपये का भुगतान किया था। एक दिन बाद,उन्हें बताया गया कि उनते पिता को डायलिसिस और वेंटिलेटर पर रखना होगा। उन्होंने कहा कि प्रवेश के कुछ दिन पहले उनके पिता के ब्लड चेकअप रिपोर्ट में उनके ब्लड सीरम क्रिएटिनिन नार्मल था।

शव भेजने के लिए 8 हजार: इसके बाद, बिल बढ़ता रहा। उन्होंने 3.4 लाख रुपये का भुगतान किया और कुछ दिनों बाद उन्हें अकाउंट्स विभाग से एक कॉल आया जिसमें उन्होंने मुझे बताया गया की कि अगर मैंने भुगतान नहीं किया तो वे इलाज बंद कर देंगे। अस्पताल ने उनके पिता के शव को एम्बुलेंस के माध्यम से श्मशान में भेजने की व्यवस्था की, लेकिन उन्हें एम्बुलेंस के लिए 8,000 रुपये का भुगतान करना पड़ा।

अस्पताल ने पेश की सफाई: नानावती के सोहल ने कहा कि पहले मरीज की दिल की सर्जरी हुई थी। भर्ती होने के बाद, उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगी जिसके बाद उन्हे वेंटिलेटर पर रखा गया था। उन्हें सातटादिनों तक किडनी फेल्योर के लिए हाई-एंड कंटीन्यूअस रेनल रिप्लेसमेंट थेरेपी की भी जरूरत थी। ऐसी बीमारी वाले किसी भी रोगी का औसत बिल किसी भी अस्पताल में प्रति दिन 1 लाख से अधिक होगा। सोहल ने कहा कि बिल की राशि मरीज को दी जाने वाली सेवाओं की अवधि और गुणवत्ता के लिए मानक शुल्क के अनुरूप है।

मुख्यमंत्री ने केंद्र से प्रवासी कामगारों से टिकट का किराया न लेने का अनुरोध किया

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने केंद्र से अनुरोध किया है कि वह कोरोना वायरस लॉकडाउन के दौरान ट्रेन से अपने गृह स्थान की यात्रा करने वाले प्रवासी कामगारों से किराया न लें। ठाकरे ने केंद्र को भेजे गए एक पत्र में रविवार देर रात कहा कि राज्य के विभिन्न केंद्रों में 40 दिनों तक करीब पांच लाख प्रवासी कामगारों को खाना और रहने की जगह दी गई और अब उन्होंने मौजूदा हालात को देखते हुए अपने घर जाने की इच्छा व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा, इन लोगों के पास बीते कुछ हफ्तों से आय का कोई स्रोत

नहीं है। इसलिये मानवीय आधार पर केंद्र को उनसे यात्रा का किराया नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई गैर सरकारी संगठन, सामाजिक कार्यकर्ता आदि प्रवासी कामगारों की ट्रेन टिकटों का खर्च उठाने के लिये आगे आ रहे हैं। ठाकरे ने संबंधित प्रदेश अधिकारियों से भी कहा कि अगर केंद्र मुंबई, ठाणे और पुणे जैसे शहरों से प्रवासी कामगारों को उनके घर भेजने के लिये ट्रेन चलाने का फैसला करता है तो उन्हें बड़े पैमाने पर प्रवासी कामगारों के समूहों को संभालने के लिये तैयार रहना होगा। महाराष्ट्र के ऊर्जा मंत्री नितिन राउत ने पहले ही रेल मंत्रालय से अनुरोध किया था कि वह प्रवासी कामगारों को उनके गंतव्यों तक पहुंचाने में आने वाले खर्च को वहन करे।

मुंबई में 12 पुलिसकर्मी कोरोना पॉजिटिव, 6 अधिकारी और 40 जवान क्वारनटीन

मुंबई। कोरोना वायरस से निपटने के लिए देश में लॉकडाउन लागू है। इस दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना और लोगों से नियम का पालन कराने की जिम्मेदारी पुलिसकर्मियों पर है। लोगों के सीधे संपर्क में आने के कारण वे कोरोना का शिकार हो रहे हैं। देश के कई शहरों में पुलिसकर्मी कोरोना महामारी की चपेट में आ चुके हैं। अब मुंबई के जेजे मार्ग पुलिस स्टेशन में तैनात 12 पुलिसकर्मी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। पुलिसकर्मियों के कोरोना संक्रमित होने के बाद 6 अधिकारियों और 40 पुलिसकर्मियों को क्वारनटीन कर दिया गया है। इसके अलावा, 55 साल से ज्यादा उम्र के 18 स्टाफ को छुट्टी पर भेज दिया गया है। इससे पहले सोमवार को ही पुणे में कोरोना वायरस से एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। 57 साल के सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) ने कोरोना वायरस संक्रमण के कारण सोमवार को एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

केंद्र सरकार ने फैलाया कोरोना

सवाल यह है कि देश में अभी भी कोरोना महामारी तेजी से फैलती जा रही है तो सरकार को आखिर लोगों की जान से ज्यादा जाम की चिंता क्यों है? क्या इससे कोरोना और तेजी से नहीं फैलेगा। क्या सिर्फ कोरोना जमाती ही फैलाते हैं। सरकार और गोदी मीडिया चिल्ला चिल्ला कर जमातियों को दोषी बता रहे थे तो अब सरकार और गोदी मीडिया खामोश क्यों हैं? हाकीकत तो यह है कि सरकार को लोगों की चिंता कम अपने राजस्व की चिंता ज्यादा है। जिस तरह से जनता ने लगभग 2 महीनों से अपने घरों में बैठी सरकार की बातें मानती रही आज सरकार ने शराब की दुकाने खुलवाकर खुद के फायदे के लिए सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़वाई है, यह सिर्फ और सिर्फ जनता के साथ धोखा और माजाक है। सरकार से और गोदी मीडिया से सवाल है कि अगर इसी तरह सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़वानी है तो सभी दुकाने खोल दें और लॉकडाउन खत्म कर दें।

दिल्ली में आज से शराब महंगी

इससे पहले हरियाणा सरकार ने भी शराब पर कोविड-19 सेस लगाकर लोगों को तगड़ा झटका दिया था। बता दें कि सोमवार से देश में लॉकडाउन के तीसरे फेज की शुरूआत हो गई। कोरोना के कारण लॉकडाउन को दो हफ्तों के लिए बढ़ाकर 17 मई तक लागू कर दिया गया है। हालांकि, इस बार बढ़ाए गए लॉकडाउन में कई रियायतें भी दी गई हैं। इनमें शराब की बिक्री को भी मंजूरी दी गई है। सोमवार से देश के कई शहरों में शराब की दुकानें खुल भी गईं। दुकानों के बाहर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिली। दिल्ली के कई इलाके में तो भगदड़ भी मची। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाई गईं। दिल्ली में शराब की दुकानों पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं होने पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ। हर्षवर्धन ने कहा कि कहीं भी अगर इस तरीके की घटना हो रही है, तो वह मुझे विचलित करती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, मुझे दुख और आश्चर्य होता है कि किसी भी सरकार ने ऐसा निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि निर्णय लेने के बाद इंप्लीमेंट किया गया है तो इसका रिव्यू जरूर करना चाहिए। सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ाने पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने भी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि अगर हमें अब मालूम पड़ा कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हो रहा है तो हमें उस इलाके को सील करना होगा और जो भी छूट दी जा रही है उसे वापस लेना होगा। दिल्ली के लोगों के सेहत के लिए हमें कड़े कदम उठाने पड़ेंगे।

मुंबई में कोरोना पॉजिटिव रोगियों की संख्या 9 हजार के पार

महामारी से एक और पुलिसकर्मी की मौत

महाराष्ट्र के पुणे में कोरोना से एक पुलिसवाले की मौत हुई है। कोरोना संक्रमण से महाराष्ट्र में चौथे पुलिसकर्मी की मौत है। पिछले 24 घंटों में मुंबई में कोरोना के 510 नए मामले आए और 18 लोगों की मौत हुई है। इनमें से 42 मामले मुंबई के धारावी से हैं। धारावी में कोरोना संक्रमण के कुल 632 मामले आ चुके हैं जिनमें 20 की मौत हुई है।

सोमवार को महाराष्ट्र पुलिस ने श्रद्धांजलि देते हुए बताया है कि दिलीप पोपट लोंढे (57) की कोरोना से लड़ते हुए मृत्यु हो गई। वह पुणे के फरसाना पुलिस स्टेशन में सहायक पुलिस उप-निरीक्षक थे। महाराष्ट्र पुलिस महानिदेशक और महाराष्ट्र पुलिस बल के सभी अधिकारी और कर्मचारियों ने उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

मुंबई में हुए कोरोना के 9,123 मामले: मुंबई में कोरोना पॉजिटिव केसों की संख्या सोमवार को 9,000 पार कर गई। इस समय मुंबई में कोरोना के कुल 9,123 मामले हैं। बीएमसी (बृहन्मुंबई महानगर पालिका) के अनुसार पिछले 24 घंटों में 18 लोगों की मौत के बाद शहर में अब तक कुल 361 लोगों की मौत हो चुकी है।

पिछले 24 घंटों में 104 का इलाज: बीएमसी ने बताया कि कोरोना के 436 नए मरीजों को शहर के अलग-अलग अस्पतालों में एडमिट कराया गया है। पिछले 24 घंटों में 104 लोग कोरोना से ठीक हो चुके हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी चुकी हे। कुल मिलाकर अभी तक 1,908 लोग कोरोना से उबर चुके हैं।

पेटीएम: नए स्कैम से रहे अलर्ट

लग सकती है चपत

संवाददाता

पेटीएम फाउंडर विजय शेखर शर्मा ने पेटीएम यूजर्स के लिए चेतावनी जारी करते हुए कहा के ग्राहकों को पैसे दोगुने करने जैसी फर्जी ऑफर्स से अलर्ट रहना चहिए। विजय शेखर ने ट्विटर पर पोस्ट के जरिए ग्राहकों से ऐसे स्कैम से बचने की अपील की। ट्विटर पर शर्मा ऑनलाइन फ्रॉड के शिकार हुए एक यूजर के सवाल का जवाब दे रहे थे। पोस्ट में शर्मा ने यूजर्स को एक नए स्कैम के बारे में बताया जिसमें पेटीएम यूजर्स को पैसा डबल करने का झांसा दिया जाता है। अपने पोस्ट में शर्मा ने एक स्क्रीनशॉट भी शेयर किया जो उन्हें इस फ्रॉड का शिकार बने किसी यूजर ने भेजा था।

क्या है नया स्कैम?: शर्मा ने ट्विटर पर जो स्क्रीनशॉट शेयर किया उससे पता चलता है कि टेलिग्राम के एक ग्रुप के जरिए यूजर्स से पैसा पेटीएम करने को कहा जाता है। यूजर्स को झांसा दिया जाता है कि जितना पैसा वो पेटीएम के जरिए भेजेंगे उसका दोगुना अमाउंट उन्हें वापस किया जाएगा।

पहले भी पेटीएम के नाम पर हुई है ठगी

पेटीएम केवाईसी के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। कॉल पर हो रहे ऑनलाइन वेरिफिकेशन के दौरान ठग ने मोबाइल पर लिंक भेजा। इस पर क्लिक करते ही खाते से 17 हजार रुपये कट गए।

पिछले साल नवंबर में सामने आया था पेटीएम से ठगी का मामला

इससे पहले पिछले साल नवंबर में भी पेटीएम से ठगी का मामला सामने आया था। तब भी पेटीएम फाउंडर ने लोगों को पेटीएम से जुड़ी फर्जी कॉल, एसएमएस से अलर्ट रहने की अपील की थी। जालसाज फर्जी कॉल और एसएमएस के जरिए पेटीएम KYC के नाम पर ठगी करते थे।

लॉकडाउन 3.0 में रियायत

दिल्ली की सड़कों पर रेंगने लगी गाड़ियां

कोरोना वायरस लॉकडाउन में रियायत मिलने के बाद सोमवार को दिल्ली में कई जगहों पर ट्रैफिक में भारी बढ़ोत्तरी देखी गई। राष्ट्रीय राजधानी में कई जगहों पर बड़ी संख्या में लोग घरों से निकले। दिल्ली के द्वारका पालम फ्लाइओवर पर भी गाड़ियां रेंगती हुई नजर आईं। वहीं कई स्थानों पर सोशल डिस्टेंसिंग के उल्लंघन की खबरें भी मिलीं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि सरकार उन इलाकों से लॉकडाउन रियायतें वापस ले लेगी, जहां के लोग सामाजिक दूरी संबंधी नियमों का पालन नहीं करेंगे। उनकी यह घोषणा उन खबरों के बीच की गयी है जिनमें कहा गया था कि राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में लोगों ने शराब की दुकानों पर सामाजिक दूरी संबंधी नियमों का पालन नहीं किया। ये दुकानें सोमवार को खुलीं।

दुकानें बंद नहीं हो रही, भीड़ न लगाएं

केजरीवाल ने कहा कि यह दुखद है कि लोग कुछ दुकानों पर छह फुट या दो मीटर की अनिवार्य दूरी नहीं रख रहे थे। उन्होंने लोगों से कोई भी जोखिम नहीं लेने का अनुरोध किया। केजरीवाल ने ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि दुकानें बंद नहीं हो रही हैं। हमें सख्त कदम उठाने होंगे। हम सभी को जिम्मेदार नागरिकों की तरह आचरण करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर किसी दुकान के बाहर सामाजिक दूरी नियमों का पालन नहीं किया जाता है तो सरकार उसे सील कर देगी। केजरीवाल ने कहा कि हमें कोरोना वायरस को हराना है। मैं लोगों से मास्क पहनने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और अपने हाथों की सफाई करते रहने की अपील करता हूं।

भूखे मजदूरों के टिकट पर राजनीति कौन कर रहा है?

संवाददाता

कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते को सरकार ने लॉकडाउन 2 को दो हफ्तों के लिए आगे बढ़ा दिया है। सरकार ने प्रवासी मजदूरों को उनके घर लौटने की मंजूरी दी है। जिसके लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेने भी चलाई गई हैं। अब इन प्रवासी मजदूरों के किराए को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ऐलान किया है कि इन मजदूरों के टिकट का पैसा कांग्रेस वहन करेगी। तो वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि अन्य राज्यों से श्रमिक स्पेशल ट्रेन से लौटने वाले मजदूरों को किराए की राशि प्रदेश सरकार लौटा देगी। इसके लिए उन्हें प्रशासन की ओर से बनाए गए क्वारनटीन सेंटर पर 21 दिन क्वारनटीन में रहना होगा।

प्रियंका गांधी का सरकार पर हमला

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि मजदूर राष्ट्र निमार्ता हैं। मगर आज वे दर दर ठोकर खा रहे हैं-यह पूरे देश के लिए आत्मपीड़ा का कारण है। जब हम विदेश में फँसे भारतीयों को हवाई जहाज से निशुल्क वापस लेकर आ सकते हैं, जब नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम में सरकारी खजाने से 100 करोड़ रु खर्च कर सकते हैं। इसके बाद उन्होंने दूसरा ट्वीट किया। उन्होंने आगे लिखा कि ..जब रेल मंत्री पीएम केयर फंड में 151 करोड़ रु दे सकते हैं तो फिर मजदूरों को आपदा की इस घड़ी में निशुल्क रेल यात्रा की सुविधा क्यों नहीं दे सकते? भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने निर्णय लिया है कि घर लौटने वाले मजदूरों की

रेल यात्रा का पूरा खर्च उठाएगी।

लेफ्ट नेता ने भी की सरकार की खिलाफत

कांग्रेस के बाद लेफ्ट नेता सीताराम येचुरी ने भी इस मसले पर मोदी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखा कि जो मजदूर पिछले दो महीनों से कुछ कमाई नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें ट्रेन टिकट का खर्च उठाने को कहा जा रहा है। जब केंद्र की ओर से कोई मदद ही नहीं मिल रही है तो राज्य सरकारें भी इस खर्च को कैसे उठाएंगी।

लव अग्रवाल ने किया साफ

हालांकि एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'सरकार ने प्रवासी मजदूरों पर कहा कि हमने लॉकडाउन के दौरान सभी लोगों को वे जहां हैं, वहीं रहने की सलाह दी, लेकिन विशेष स्थिति में ट्रेनों को चलने की अनुमति दी। केंद्र ने प्रवासी मजदूरों पर कहा कि हमने मजदूरों से किराया वसूलने की बात कभी नहीं की, इसका 85 प्रतिशत भार रेलवे ने जबकि 15 प्रतिशत बोझ राज्य सरकारों ने उठाया।'

भाजपा का जवाब: लॉकडाउन के कारण फंसे श्रमिकों से रेलवे द्वारा कथित तौर पर भाड़ा लिए जाने की आलोचना होने के बीच सूत्रों ने सोमवार को कहा कि अब तक चलायी गयी 34 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के लिए महाराष्ट्र को छोड़कर विभिन्न राज्य सरकारों ने भुगतान किया है। कई विपक्षी दलों ने मांग की है कि प्रवासी श्रमिकों से ट्रेन टिकट के पैसे नहीं लिए जाने चाहिए। वहीं कांग्रेस ने ऐसे प्रवासियों के लिए भुगतान करने की पेशकश की। रेल किराए को लेकर पैदा विवाद के बीच भाजपा ने कहा कि रेलवे पहले ही यात्रा लागत का 85 प्रतिशत वहन करते हुए सब्सिडी पर टिकट मुहैया करा रहा है। रेलवे ने इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया है। लेकिन अनौपचारिक रूप से कहा गया कि यह एक ₹राजनीतिक लड़ाई₹ है।

रेलवे अधिकारियों ने किया खंडन: अधिकारियों का कहना है कि रेलवे राज्य सरकारों से इन विशेष ट्रेनों के लिए केवल मानक किराया वसूल रहा है जो कुल लागत का सिर्फ 15 प्रतिशत है। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'रेलवे सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए प्रत्येक कोच में बर्थ खाली रखते हुए श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। ट्रेनें गंतव्य से खाली लौट रही हैं। रेलवे द्वारा प्रवासियों को मुफ्त भोजन और बोतलबंद पानी दिया जा रहा है। हम अब तक 34 ऐसी ट्रेनें चला चुके हैं और आगे भी चलाते रहेंगे। हमारे एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) में कहीं भी, हमने नहीं कहा है कि यात्रा करने वाले प्रवासियों से किराया लिया जाएगा।'

राज्यों ने किया है भुगतान: सूत्रों ने बताया कि राजस्थान, तेलंगाना और झारखंड जैसे राज्यों ने श्रमिकों की यात्रा के लिए भुगतान किया है। राजस्थान, तेलंगाना जैसे राज्यों से विशेष ट्रेनें चली हैं और झारखंड तक ट्रेनें पहुंची हैं। सूत्रों ने कहा कि गुजरात सरकार ने यात्रा पर आने वाले खर्च का एक हिस्सा देने के लिए एक एनजीओ को संबद्ध किया है। उन्होंने कहा कि केवल महाराष्ट्र सरकार यात्राओं के लिए प्रवासी श्रमिकों से पैसे ले रही है। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितिन राउत ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर राज्य से बाहर जाने प्रवासियों की यात्रा का खर्च वहन किए जाने का अनुरोध किया है। राउत ने रविवार को रेल मंत्री पीयूष गोयल को भी पत्र लिखकर अनुरोध किया कि रेलवे राज्य से प्रवासियों के परिवहन का खर्च वहन करे। इस बीच, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को एक वीडियो बयान में कहा कि राज्य सरकार प्रवासियों के परिवहन के लिए रेलवे को पैसे दे रही है। उन्होंने कहा, 'किसी भी प्रवासी को अपनी यात्रा के लिए पैसे देने की आवश्यकता नहीं है।

दिल्ली के आसपास रहते हैं तो इन खूबसूरत जगहों पर सिर्फ 5 घंटे में पहुंच सकते हैं

हम में से बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जो घूमने-फिरने का शौक तो रखते हैं लेकिन उनको ज्यादा सफर करना पसंद नहीं होता या उन्हें घूमने-फिरने के लिए ऑफिस से बहुत कम छुट्टियां मिलती है। अगर आप भी ऐसे ही ट्रैवलर्स की लिस्ट में आते हैं, तो हम आपको बताने जा रहे हैं, दिल्ली के आसपास खूबसूरत जगहों के बारे में जहां आप 4-5 घंटों में पहुंच सकते हैं।

ऋषिकेश-हरिद्वार

आपको तीर्थयात्रा और एडवेंचर का

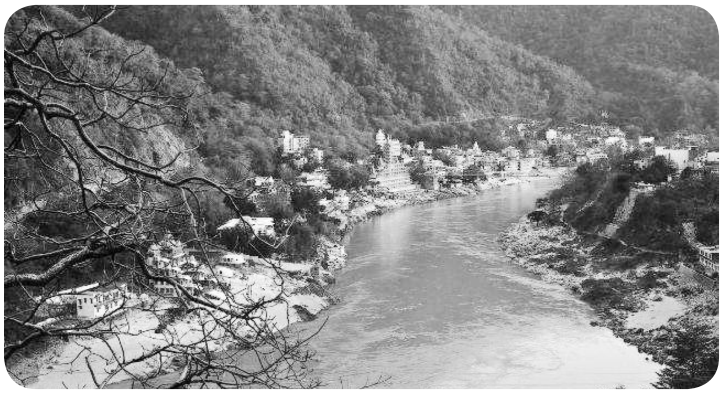

कॉकटेल चाहिए, तो ऋषिकेश-हरिद्वार आपके लिए है. यहां आपको एडवेंचर भी मिलेगा और तीर्थयात्रा का एहसास भी। ये दोनों आपस में जुड़ी हुई जगहें हैं। आप यहां 2 दिन और 3 रातें आराम से गुजार सकते हैं।

कैसे पहुंचे : आप यहां ट्रेन या बस से आसानी से पहुंच सकते हैं. रोडवेज की बसों में किराया सस्ता है। आप दिल्ली या एनसीआर से आ रहे हैं तो आपको 4-5 घंटे लगेंगे।

चंडीगढ़

चंडीगढ़ में घूमने-फिरने लायक काफी जगह हैं. आप ग्रीन सिटी में सुखना लेक, रॉक गार्डन, रोज गार्डन जैसी कई बेहतरीन जगहों पर घूम सकते हैं। होटल रियायती दामों में उपलब्ध हैं. अगर बहुत पीक सीजन नहीं चल रहा होता है, तो यहां होटल 800 रुपयों से भी उपलब्ध. आप 800 से लेकर 1500 तक में होटल ले सकते हैं।कसौल खाने-पीने के लिए सस्ती जगह है।

कैसे पहुंचे : दिल्ली से मनाली जाने वाली बसों से भी कसौल जाया जा सकता है। वोल्वो बसों में आपको यहां पहुंचने में ज्यादा 4-5 घंटों से ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

नैनीताल

नैनीताल उत्तराखंड की एक शानदार और आपके बजट की टूरिंग डेस्टीनेशन है. बरसात के कुछ महीनों को छोड़कर इस जगह में कभी भी छुटियां प्लान की जा सकती हैं। नैनीताल के आसपास भी कई सारे छोटे छोटे विजटिंग प्वाइंट हैं। नैनीताल उनका सेंटर हैं। यहां आसानी से होटल और गेस्ट हाऊस उपलब्ध है. यहां आप आसानी से 1000 रुपए में एक स्टैंडर्ड कमरा पा सकते हैं। नैनीताल और उसके पास घूमने को इतना कुछ है कि आप यहां तीन रात और तीन दिन का प्लान कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे : काठगोदाम से नैनीताल शेयरिंग टैक्सियां उपलब्ध हैं। जो एक घंटे से कम समय में आपको नैनीताल पहुंचा देती हैं. कुल मिलाकर आप 5-6 घंटे में यहां घूम सकते हैं।

मुंबई हलचल राशिफल

-आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष: पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बेरोजगारी दूर होगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृष: यात्रा में सावधानी रखें। जोखिम व जल्दबाजी से बचें। शोक समाचार मिल सकता है। विवाद न करें।

मिथुन: थोड़े प्रयास से ही काम बन जाएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। चोट व रोग से बचें। धन प्राप्ति सुगम होगी।

कर्क: उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह: भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कन्या: फालतू खर्च होगा। तनाव रहेगा। शत्रुभय रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला: लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। भागदौड़ रहेगी। चिंता बढ़ेगी।

वृश्चिक: जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। नई योजना बनेगी। आय में वृद्धि होगी।

धनु: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेन-देन में सावधानी रखें। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी।

मकर: चोट, रोग व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बनते काम बिगड़ेंगे।

कुंभ: प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कष्ट संभव है।

मीन: विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा।

ये हैं दुनिया के सबसे खूबसूरत टी गार्डन्स, एक बार जरूर जाएं यहां

ज्यादातर लोगों की चाय पीए बिना शुरूआत नहीं। चाय का एक प्याला पीने से शरीर में ताजगी और चुस्ती बनी रहती है। कई लोगों को तो चाय पीने की इतनी आदत होती है कि इसको पीए बिना उनका सिर दर्द और थकान होने लगती है। आज हम चाय के शौकिन लोगों को दुनियाभर के खूबसूरत और मनमोहक बाग दिखाएंगे, जिनको देखकर आपका मन भी वहां जाने का करेगा।

मलेशिया का कैमरन हाइलैंड्स यहां का सबसे बड़ा टी प्रॉड्यूसर है। प्लान्टेशन की शुरूआत 1992 ई में हुई थी।

केरल के मुन्नार टी गार्डन्स को देखने लाखों लोग आते हैं। यहां पर लोगों की भीड़ लगी रहती है।

साउथ कोरिया का बोजूंग टी गार्डन भी

देखने में बहुत खूबसूरत है। इस गार्डन में लगी चाय पत्तियों की धीमी-धीमी सुंगध आपको मदहोश कर देगी।

नलिन काउंटी ताइवान के झांग हू गांव के चाय बागान में फैली हरियाली. यह गांव चाय और कॉफी के उत्पादन के लिए जाना जाता है।

ये फैशन मॉडल पहनती है ऐसे कपड़े जिन्हें आप खा भी सकते हैं

फूड आइटम से बने एसेसरी और कपड़े

थाईलैंड की फैशन मॉडल सीने बेंजाफॉर्न ने खाने के सामान का इस्तेमाल कुछऐसे ट्विस्ट के साथ किया है कि वो और उनका स्टाइल सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। ये प्रयोग इनोवेटिव तो है ही बेहद कलात्मक और मजेदार भी है। 22 साल की सीने खाने की चीजों से बने कपड़ों और गहनों के साथ बेहद खूबसूरत नजर आती हैं। यही वजह है कि उसकी तस्वीरें देखकर लोग दीवाने हो जाते हैं। वो अपने इन यूनीक स्टाइलिश ड्रेसेज में वेज ही नहीं बल्कि नॉनवेज फूड का भी इस्तेमाल करती हैं। उनके कपड़ों से लेकर एसेसरीज तक हर चीज में खाने वाली चीजें ही शामिल होती हैं। उनके इस अंदाज को लोग सोशल मीडिया पर उसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाते।

फनी है अंदाज

वैसे हो सकता है की सीने बेंजाफॉर्न के इस अंदाज से नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन खफा हो सकते हैं क्योंकि वो अपने लुक को कई बार फनी भी बना देती हैं। जैसे उन्होंने किम के स्टाइल को फॉलो करते हुए किया था। सीने के इंस्टाग्राम अकाउंट पर करीब 54 हजार फॉलोअर हैं, जो उनकी इस शैली के दीवाने हैं। वे खाना खाने के लिए नहीं बल्कि खाने पहनने के लिए दुनिया भर में चर्चित हो रही हैं। वे अपनी वेज या नॉनवेज खाने से बनी फूड ड्रेसेस में कई बार तमाम मशहूर सेलिब्रिटी से भी ज्यादा खूबसूरत नजर आती हैं। जैसे ऊपर दी गई तस्वीर में वे कांस फिल्म फेस्टिवल में खूबसूरत गाउन पहने फिल्मी सेलिब्रिटी के मुकाबले ब्रोकली और पत्ता गोभी की ड्रेस में ज्यादा जंच रही हैं। वैसे सीने चिप्स की ड्रेस, मशरूम वाली ड्रेस और बेकरी में बने फ्लप्स वाली ड्रेस में भी नजर आ चुकी हैं।

चीन का सबसे बड़ा आइस फेस्टीवल, देखने दूर-दूर से आते हैं टूरिस्ट

चीन तो टेक्नोलॉजी, प्रोडक्श और इंवेशन के मामले में सबसे आगे माना जाता है। मगर इसके अलावा चीन ट्रैवलिंग के मामले में काफी आगे है। अपनी खूबसूरती के लिए चीन पूरे विश्व में मशहूर है लेकिन चीन का हार्बिन शहर भी प्राकृतिक सुदंरता के मामले में कुछ कम नहीं है। सर्दियों में हार्बिन में पड़ने वाली बर्फ के बाद, यहां दुनिया का सबसे बड़े आइस फेस्टीवल का आयोजन किया जाता है। इस आइस फेस्टीवल को देखने और इसका आनंद लेने के लिए दुनिया के कोने-कोने से टूरिस्ट पहुंचते हैं। चीन के उत्तरी पूर्वी हिस्से में स्थित हार्बिन हेइलोंगजियांग प्रांत की राजधानी और पूर्वोत्तर क्षेत्र का सबसे बड़ा शहर है। यहां नवंबर से जनवरी के बीच बर्फ पड़ने के साथ ही आइस फेस्टिवल की शुरूआत हो जाती है। इसके बाद यह फेस्टीवल जनवरी से मार्च-अप्रैल तक चलता है। हार्बिन के इस बर्फ वाले त्यौहार को दुनिया के सबसे बड़े विंटर फेस्टिवल में शुमार किया जाता है।

इस दौरान इस शहर का तापमान -17 डिग्री तक होता है। इसके बावजूद भी इस फेस्टिवल को देखने के लिए 10-15 अरब टूरिस्ट यहां आते हैं। इस साल इस फेस्टिवल में बर्फ से बनाया गया फ्लैमेन्को आइस टॉवर को विश्व का सबसे ऊंचा बर्फ का टॉवर माना गया था। इस टॉवर की ऊंचाई 31 मीटर थी। इससे पहले सबसे ऊंचे टॉवर की लंबाई 21 मीटर थी। यही नहीं, इस दौरान पूरे शहर को बर्फ से सजाया जाता है और तरह-तरह की आकृतियां बनाई जाती हैं। इस फेस्टिवल में तैराकी, बर्फ बोटिंग के साथ-साथ सामूहिक विवाह समारोह भी होते हैं।

तेजी से फैलता 'Nipah' वायरस, लक्षण पहचानें और करें तुरंत बचाव

निपाह वायरस एक तरह का संक्रमित रोग है। मेडिकल टर्म में इसे ढ्ढ भी कहा जाता है। यह वायरस एक जानवर से फलों में और फलों के जरिए व्यक्तियों में फैलता है। इस गंभीर संक्रमण की चपेट में आने से इंसान की मौत भी हो सकती है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि अभी तक इस बीमारी का कोई स्टिक इलाज भी नहीं हैं। बचाव के जरिए ही इससे दूर रहा जा सकता है।

कहां से शुरू हुआ यह वायरस

केरल में एक ही परिवार के तीन लोगों की निपाह वायरस की मौत हो गई है। भारत में इस वायरस का मामला पहली बार नहीं बल्कि इससे पहले साल 2001 के जनवरी और फरवरी माह में पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी में दर्ज किया गया था। इस साल में लगभग 66 लोग इस खतरनाक वायरस की चपेट में आ गए थे, जिनमें से 45 लोगों की मौत भी हो गई थी। इसके बाद 2007 में पश्चिम बंगाल के नदिया में निपाह वायरस का दूसरा मामला दर्ज किया गया था। अब हाल ही में केरल से आए निपाह वायरस के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं और

सरकार भी इस विषय को लेकर चिंता में है। केन्द्र की तरफ से इससे बचने के लिए कोशिशे तेजी से शुरू कर दी गई हैं।

निपाह वायरस का मामला सबसे पहले सिंगापुर और मलेशिया में 1998 -1999 में सामने आया था। सिंगापुर में इस वायरस के कारण एक व्यक्ति की मौत हो जाने पर उसके गांव कांपुंग सुंगई निपाह के नाम से ही इस संक्रमण का नाम भी निपाह वायरस रख दिया गया। 2004 में बांग्लादेश में भी इसके मामले सामने आए थे।

क्या है निपाह वायरस

यह वायरस जानवरों से इंसानों में फैलता है यानि निपाह वायरस चमगादड़ से फलों में और फलों से इंसानों और जानवरों में फैलता है। इस जानलेवा वायरस की चपेट में आने से इंसान को गंभीर परेशानियों से भी गुजरना पड़ सकता है। यह खतरनाक वायरस एक इंसान से दूसरे इंसान में फैलने का भी डर रहता है। खजूर के खेतों में काम करने वालों में भी निपाह वायरस फैलने का खतरा ज्यादा होता है जिससे मौत भी हो सकती है।

निपाह वायरस के लक्षण

निपाह वायरस की चपेट में आने वाले इंसान में एन्सेफलाइटिस सिड्रोम के जरिए यह वायरस तेजी से फैलता है। जिससे तेज बुखार,दिमाग या सिर में तेज जलन,दिमाग में सूजन और दर्द,मानसिक भ्रम, सांस लेने में परेशानी होती है। संक्रमण बढ़ने से मरीज कोमा में भी जा सकता है, इसके बाद इंसान की मौत हो जाती है।

निपाह वायरस से बचाव के तरीके

अब तक हुई जांच के मुताबिक इस वायरस से बचने के लिए कोई वैक्सीन अभी नहीं बनी है लेकिन कुछ बातों का ख्याल रखकर ही खुद का बचाव किया जा सकता है। इसके लिए वायरस के बारे में जानकारी होना बहुत जरूरी है। खजूर की खेती करने वालो में यह संक्रमण तेजी से फैलता है।

1. खजूर के फल को खाने से परहेज करना चाहिए।
2. पेड़ से गिरे फल को नहीं खाना चाहिए।
3. निपाह के संक्रमित रोगी से दूरी बनाए
4. सुअर और चमगादड़ों से दूर रहें।

घर पर ही बनाएं ब्लीचिंग क्रीम और पाएं निखरी त्वचा

बेदाग और दमकता चेहरा पाने के लिए आजकल लड़कियां पार्लर जाकर ब्लीचिंग करवाती है। मगर इनका असर कुछ समय के लिए रहता है। इसके साथ ही कैमिकल्स युक्त प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करने से कई बार चेहरे पर एलर्जी और इंफेक्शन हो जाती है। इससे चेहरा खूबसूरत होने की बजाए और गंदा हो जाता है। ऐसे में आप घर पर ही नेचुरल ब्लीच बनाकर चेहरे का रंग निखार सकते हैं। इससे ना तो ज्यादा पैसे खर्च होंगे और ना ही कोई साइड-इफैक्ट होगा। आज हम आपको घर पर ब्लीचिंग क्रीम बानने के बारे में बताएंगे।

1. टमाटर

चेहरे को चमकाने के लिए और घर पर ब्लीचिंग करने के लिए टमाटर बैस्ट ऑप्शन है। सबसे पहले एक पक्का हुआ टमाटर का रस लें। अब इसको हाथों पर फैला कर पूरे चेहरे पर मसाज करें। कुछ देर के बाद चेहरे को नार्मल पानी से धो लें।

2. खीरे और नींबू का रस

1 टेबलस्पून खीरे के रस में 1 टीस्पून नींबू का रस मिक्स करें। इसके बाद 5 मिनट तक इसे चेहरे पर लगा लें। इससे आपके चेहरे पर इंस्टेंट निखार आ जाएगा।

3. हल्दी

1/4 चम्मच हल्दी में 1 चम्मच

बेसन और 2 चम्मच दूध मिक्स करके गाढ़ा पेस्ट बना लें। इसके बाद इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट लगाने के बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। इस तरह करने से चेहरे पर नेचुरल ग्लो आएगा।

4. नींबू

नींबू ब्लीच करने का सबसे अच्छा तरीका है। इसमें ब्लीचिंग एजेंट होते हैं जो स्किन का रंग साफ करने में सहायक है। 1 चम्मच नींबू का रस, और गुलाबजल मिक्स करें। रात को सोने से पहले चेहरे पर लगाएं। सुबह उठकर चेहरा साफ पानी से धो लें।

5. पपीता

पपीता भी एक नेचुरल ब्लीच है। पपीते में नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दीजिए और उसके बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

6. संतरे का छिलका

संतरे के छिलके से भी ब्लीचिंग की जा सकती हैं। ब्लीचिंग पेस्ट बानाने के लिए सबसे पहले संतरे के छिलकों को धूप में सुखा लें। इसके बाद इसमें 1 चम्मच दूध, शहद, संतरे या नींबू का रस मिलाकर मिक्स करें। इस पैक को चेहरे पर 10 मिनट तक लगाने के बाद ठंडे पानी से धो लें।

दिल को रखना है स्वस्थ तो रोज से करें ये योगासन

दिल शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है। आजकल अनहेल्दी डाइट, प्रदूषण और तनाव की वजह से बहुत सारे लोगों को कम उम्र में ही दिल की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। दिल की बीमारियां इसलिए खतरनाक मानी जाती है क्योंकि हार्ट डिजीज होने पर इलाज का समय नहीं मिल पाता और दिल के अस्वस्थ होने पर हार्ट अटैक, हार्ट फेल्योर, हार्ट ब्लॉक का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में आप हैल्दी डाइट और योग से दिल की बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम कर सकते हैं।

1. सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार करने से ब्लड सकुर्लेशन बढ़िया बना रहता है और इससे दिल के रोगों का खतरा कापी हद तक कम हो जाता है। 12 स्टेप्स का यह योगासन सिर्फ दिल नहीं बल्कि शरीर के सभी अंगों के लिए फायदेमंद है। आप सूर्य नमस्कार किसी भी मुद्रा में कर सकते हैं। नियमित रूप से सिर्फ सूर्य नमस्कार करने से शरीर के सभी अंग स्वस्थ रहेंगे और हार्ट डिजीज का खतरा भी कम होगा।

2. भुजंगासन

भुजंगासन से आपके हार्ट के अलावा रीढ़ की हड्डी, बांह और पेट के लिए भी फायदेमंद है। इसे करने के लिए पेट के बल इस तरह लेट जाएं और दोनों हाथों को छाती के पास रहें। अब इसी पोजीशन में शरीर को ऊपर की ओर उठाकर गहरी सांस लें। सांस पर ध्यान केंद्रित करते हुए जितना ऊपर उठ सकते हैं उठें और फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए पहले की पोजीशन में आ जाएं।

3. पश्चिमोत्तासन

यह योग दिल को स्वस्थ रखने के साथ सेहत की कई प्रॉब्लम दूर करता है और शरीर को लचीला बनाता है। इसे करने के सीधे बैठकर दोनों पैरों को फैलाकर सीध में रख लें। अब हाथों को ऊपर की ओर उठाते हुए झुककर पैरों के अंगूठों को पकड़े। ध्यान रहे कि घूटने मूड़ने न पाएं।

4. अंजलि मुद्रा

यह योगासन आपके रेस्पिरेट्री सिस्टम के लिए बहुत अच्छा और बेहद आसान है। इसे करने के लिए दोनों हाथों को जोड़कर छाती के बीचो-बीच रखें और आंखें बंद करके सांस को धीरे से अंदर लें। इस पोजीशन में थोड़ी देर सांस रोककर सांस को धीरे-धीरे छोड़ें। यही पैटर्न कुछ मिनटों तक जारी रखें। अंजलि मुद्रा से आपका दिल स्वस्थ रहेगा और दिन भर आपमें स्फूर्ति रहेगी।

5. ताड़ासन

दिल को स्वस्थ रखने के साथ ही यह योग स्ट्रेस, टेंशन और डिप्रेशन की समस्या भी दूर करता है। इसे करने के लिए आप खड़े हो जाएं और दोनों पैरों को बाहर की दिशा में हल्का सा फैलाएं। इसके बाद दोनों हाथों को ऊपर ले जाएं और नमस्कार मुद्र में हाथ जोड़े और गहरी सांस लेकर शरीर को स्ट्रेच करें। अब धीरे-धीरे सांस को छोड़ दें। अब बाद सामान्य अवस्था में आए जाए।

6. त्रिकोणासन

इस योगासन को करने के लिए दोनों पैरों को फैलाएं और दाएं पैर को बाहर की ओर स्ट्रेच करें। इसके बाद बाएं हाथ को ऊपर की दिशा में ले जाते हुए कमर को भी दाईं ओर झुका लें। इसी पोजीशन में रहते हुए अपनी दाईं हथेली को जमीन से लगाएं और साथ में बांए हाथ को ऊपर की तरफ और स्ट्रेच करें। बारी बारी से दोनों तरफ से इसे करें। नियमित रूप से इस योग करने से आपका दिल स्वस्थ रहेगा।

7. सेतु बंधासन

दिल के स्वस्थ रखने के लिए आप यह योग भी कर सकते हैं। इसे करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं, दोनों हाथों को अपनी लंबाई में स्ट्रेच करें। अब धीरे धीरे अपने घुटनों को मोड़ते हुए कमर को ऊपर उठाएं।

थोड़ी देर इसी पोजीशन में रहने के बाद फिर नॉर्मल स्थित में वापस आ जाएं। बार बार इसी पैटर्न को दोहराएं। दिल के साथ-साथ यह योग कमर, पेट और जांघ को भी शेप में रखता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

फैन ने पूछी शाहरुख खान की सबसे अच्छी बात, काजोल ने दिया जवाब

इन दिनों पूरे देश में लॉकडाउन के कारण लोग अपने घरों में हैं और अपना काफी टाइम सोशल मीडिया पर स्पेंड कर रहे हैं। बॉलिवुड सिलेब्स भी इस दौरान फैंस से काफी इंट्रैक्ट कर रहे हैं। हाल ही में #AskKajol के जरिए सवाल-जवाब के सेशन के दौरान ऐक्ट्रेस काजोल ने लोगों से बात की और उनके सवालों के जवाब दिए। इस सेशन में तमाम फैंस ने कई फिल्मों में उनके को-स्टार रहे शाहरुख खान से जुड़े सवाल किए जिनकी ऑनस्क्रीन जोड़ी को बॉलिवुड की बेस्ट जोड़ियों में से एक माना जाता है। काजोल से एक फैन ने पूछा कि शाहरुख खान की आपको कौन सी बात सबसे ज्यादा पसंद है? इसके जवाब में ऐक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें शाहरुख खान की एनर्जी काफी पसंद है। उनके पास काफी ऊर्जा है। यही नहीं, जब एक फैन ने काजोल से उनके अब तक के करियर के सबसे बेहतरीन रोल के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि उनका सबसे पसंदीदा किरदार अंजली है क्योंकि वह उनकी ही तरह है।

साउथ चले सलमान, चिरंजीवी संग करेंगे काम ?

पिछले काफी समय से साउथ के सुपरस्टार चिरंजीवी की आने वाली फिल्म 'आचार्य' की काफी चर्चा है। इस फिल्म की ऑफिशली घोषणा कर दी गई है। अब इस बारे में एक और खबर सामने आ रही है जिसे सुनकर फैन्स और ज्यादा एक्साइटेड हो जाएंगी। रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म में एक खास रोल के लिए बॉलिवुड के सुपरस्टार सलमान खान से संपर्क किया गया है। बताया जा रहा है कि यह एक खास कैमियो रोल होगा जिसे सलमान खान निभा सकते हैं। बता दें कि 'आचार्य' मलयालम की सुपरहिट फिल्म 'छ्छ्रूी१' का रीमेक होगी। प्रड्यूसर चाहते हैं कि सलमान इस फिल्म में वही रोल निभाएं जो मलयालम में पृथ्वीराज ने निभाया था। हालांकि सुनने में आया है कि सलमान ने अभी तक इस रोल के लिए अपनी सहमति नहीं दी है। चिरंजीवी के लीड रोल वाली 'आचार्य' को प्रभास की फिल्म 'साहो' के डायरेक्टर सुजीत करेंगे। इस फिल्म में चिरंजीवी के साथ फीमेल लीड में काजल अग्रवाल होंगी।

लॉकडाउन में तुरंत ये 2 फिल्में देखना चाहती हैं दीपिका पादुकोण

कोरोना वायरस के कारण पूरे देश में लॉकडाउन लागू है और इस दौरान बॉलिवुड के सिलेब्रिटीज भी अपने घरों में कैद हैं। कोरोना से बचने के लिए लगातार ये सिलेब्स अपने फैन्स को जागरुक भी कर रहे हैं। दीपिका और रणवीर भी लगातार सोशल मीडिया के जरिए अपने फैन्स से जुड़े हुए हैं। उन्होंने अपने अकाउंट्स पर काफी तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं। कछ तस्वीरों में दीपिका अपनी खाना बनाने की कला का प्रदर्शन करती भी दिखाई दे रही हैं। हालांकि अब लगता है कि दीपिका खाना बनाकर बोर होने लगी हैं और वह अपना लॉकडाउन का पीरियड फिल्में देखकर गुजारना चाहती हैं। दीपिका ने हाल में कुछ फिल्मों के नाम भी शेयर किए हैं जिन्हें वह इस लॉकडाउन पीरियड में देखना चाहती हैं। दीपिका ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दो फिल्मों 'हर' और 'फैंटम थ्रेड' के पोस्टर्स शेयर किए हैं। इन दोनों फिल्मों की क्रिटिक्स ने काफी तारीफ की थी। इसके अलावा रणवीर सिंह भी 'फेंटम थ्रेड' में काम कर चुके डैनियल डे-लुइस के काफी बड़े फैन भी हैं।